

श्रीश्रागायनमः।। असम्मास्तीन्यनागदितीनी। प्रयोजीनीनिन्ये सहेगप तकानामः जीहीवनसभीकामपूरनतसाम।। क्रीबीतीवासकरहर प्यान्। जीक्षिपाकरेशापगपतसी हीहाहीहा ही हरहरी "मेरे बीरक्यों हेर हतनी करि।" जहानियन वित्रजीहैं इकहै।स्द्रण हैयएक हो रूपती नेंस् द्वाजीसाजास्थी रूप्यनेया रूप। जीवे सी खीरां की महा की। हरीहर हरीहर हरीहर हरी भने स्वीर्क्यं हर दतनी करी इन्क्रेसिर्पेज़ीर्स्थास्र्रेणर्यानासञ्जपनासहसां हुणयरे जीवाञ्चारमुमार्यने उदार्रावे भते रेज्तर्संस प्रतेष्यो।। हरीहर हरे। हरे हरी हरी हरी। सिर्वार कम्देर इनकी वरी।। वेग्नासडुः ख्राश्चेदीनाण् "जीब्स्तनतगार्दृद्र्युन्से केसाय । राजा तुमाचा तो की विरूप के हाय । वहां ना सम चारतमिथ्रेणहरीहरहरीहरहरी अही भीरे वीर्वा देरहेर नेवरी।। महरेन नेवां व्याधा प्रहिताच्या।।

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection, Digitized by S3 Foundation USA

नदीड़ाभगतनितिश्वाइकीणनदीतीनवस्तुः हतुक्व की। किया रूप नगरित्र पड़ा हो हुरी। हुरी हुरूरी हर ही। इरहरी। मेरबीरको हेरहतनी करी।। नहीं केइतारा कावीक़ का "गुस्से हो के वांधे याजन की पिस् को र हायार्से जुड़ातनसे सर् एद्शंसे जो नियत्ने येथा प्र इक्स।हरीहरहरीहरहरीहरहरी "नेरेकीरवयं रेरडनी के प्रक्रस्याधेपरिलावे के वीरे। इरनाकी नारम् नला हिंदू । नियार्य वाचन त्रहानका है। । वल के हा रेखा वेहरी । हरीहरहरीहरहरी हरहरी। नेरे वीरक्यू दें द्र नीक्स्।। जीजलवीड्ने राजकीच्राजमई॥नतेः षाउसनाम नेराक्षभी॥ जीनंत्नवनेष्ठहन स्व्वने हरीरूपहोक्तकेपेड़ाहरी । हरीहरहरीहरूहरीहरूहा उप्रह्माचलकोनार्युना इन्द्रकोनीहे राष्ट्रिप्रमसिन् टेवेल्डनेके वेर । करबहुत क्रपाजी गगावेद ।। सुदामांका सबदेन द्रा है। ही हर हरी हाई है हरीड़ा हरी॥

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation-USA

ज़याक्तकवर्षके ही भेरीदेहकारी चीपापीं स्ती । जी निसनेतरेन नयी पुनदारी।। नरासेत्नु ग्रीनितिकरीकी मुदी॥ हरीहर हरी हरहरी हरहरी। मेरे बोर्च्यू ब्यू हेर हुतनी करी नरमीभगनइकहंडीकरी। सावस्याहरूपर्मेडकियारी व्हन्त्वत्रत्येक्तिकां । ताचलकाइहेउसकोहंदीकिंग हरीहर हरीहरहरी हर हरी। मेरे बीरवार्ट्र इतनी करिणवर्षी केंद्र ने यद्गायानर्॥ नस्तीयाब्वह्नायत्रभये॥सिर्फ्रवतपुत्रीम वेनर्भवयारपरेगड्शसर्यवरीणहरीहर ३ हरी । मेरेवीरवप् दे १ दूतनी करि॥ जबसे खा हमर्ग हग की हु: स्पह्यि। यो हमा नवें नासीत्रा सिया जित्रामस्याङ्जाहरूमगया-दुराल्येमगमा तीहर हरी सेरेबंर इंद्रेस्त्रनी वारी जो रावन उसुर ज्व वियाने गया मर्ने अवनी ज्ञांचे योहः सराजासभी कन्मयाः विवाको जार्नु अस्ट्राष्ट्री ह्मीहर इरोहर हरीहर हरी और बीरका देखानी करी। तो जेन सने उस है नही कावनुद्वादी नमीयहनप्रदिवासनाहीगई प्रदेशवीग्रमेनीनु उरने ां भागभा के असके बढ़ार जा करी। हो इस्ट्री हर हरिका हरी भी

CC-0. Gorukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

सत्हास्यत्स्वीये इति ज्ञहासे विद्योहेके हो गया ब्रह्मां जावके स र्न आक्रापया सनुपरपही बेहनाथे हुंगे हरी हर हरी हर हरी हर ही में वीर्क्यूदेरइनीकरी-जगनामीरम्जनक्तावुत्छ्मीपाप्-स्य ज्ञजी उनकी सरप उरवल ही तीना एप हुंचे जी खप उरवल हा त्झी उनको उन्नपदाहरी "हो। हुर हरी हर हरी हर हुरी- मेरे बीर वर्ग् देर इ इरी पतंबी केरी जुल मज़ीर साद्य सीता मलने पीरतथ अपने हाथ चया याक्द्रीपतगुक्रेदीना नाय-राजिशर्मजस्क्रीनगगदारी-हरीहरर वोहंईयादनुमनोजीरमञ्जेकवार-जीवपरेश्वायायाजिनारदार-चेव नाषारयपहुंचेयेस्वार्-रक्षतबांध्रमकुननेसायहरी-द्वरीक्र ज्ञक्राइबस्रतेमुनावंतगा-गसीतम्श्रांकीरिकराचनलगा-प्रा नहाथ प्रशिवके अञ्चाकरी अञ्चलरूप ही शबके अच्हा करी । हरी व हस्यागियासे खिकां हो सपास-पूर्वनश्गनी की की नीथी आस तबराजास्कादनवीद्रसार्वरा व्हांनाषपांद्रीकीद्वायाजरी स्व जीदहरीसगतनेमां नठावुः गिनदा-यस्तीयन निम्न वे वेडा दिय भगमग्राह्ममंचीहताङ्गी प्रामविसाएते वनी पाही । हरीहरहरीहरहरीहरहरेग नेर्थिरक्ट्रेस्न जो जारे

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

(४) जोड्यानरपरवनकोपकीरोहस्यकिहरदीनरप्रवंगस्यकरहुस्य व्तेख्नकासंद्वीहर्नलगा-तीनेश्वेत्वयचीन्त्रीत्वस्वक्री-हरीहर हरिहरहरीहरहरी। भोरेबीरक्यूंहेर्ड्नीकरी नेरेसंतन्हों कीई यांवे बहुं।।साधीदासकीजाड़ालागाजहां समस्नातही इस्केनहेंचेव हें-इक्वायकर असकी रही वाकरी ही हार ।। गरु की सवारी पे अवनवार्डा। बड़ा यह तस्रकानुबह मकी हु स र स दूर गर्ने कर नेत वववीषद्ः सुदार्भाको साकर्व चाया ही :हरीहर २॥वड़ाराष क्रोंकाज्ञुल्तयाज्ञहो रह्मेच्चर्तपेञ्चर्सुबाचेनिक्रो सोर्वत सवरवहु एशरमां हरी क्रिपाकरिवेडाभगतांहरी हरी सहरी भारीयस्युवसाताकावेशकाः चेनेव्यसेवाहेनेशियासपर लगासनन कर्वेनबङ्क पाउंप्-स्यादास उसकी गतिलाहरी ह तमी उमर्कं सङ्गानगृता - वसकते तूउ स्था उद्यविद्या -अच्य सेन की राजमध्रा दिखा महचीनका पेय को आवेहरी तिपापकी उसकी प्रतीगाई मही इबद्दम सतकारनी पड़ी-तिस्मास्य विजाउमकी वेद्यानी विकास स्टेश्यानी प्रतिस्थानी विकास स्टेश्यानी विकास स्टेशियानी स्टेशियानी विकास स्टेशियानी विकास स्टेशियानी विकास स्टेशियानी स्टेशियानी विकास स्टेशियानी विकास स्टेशियानी विकास स्टेशियानी स्

CC-0. Gurukur Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

जीकीस्रांसेसंहलियामुङ्ग्रेया-तगेदेखनेतामई घरकथर-त इञ्जूबरहदेखकीमोउ पर रखा प्राचेपरसाधीकरी-इगेहरहरीहर हरीहरहरी-मेरेकीर कर्युदेर इतनी करी-राजाने पकड़े जेहि (का तिलिव्या।जीपीयेनी उसकीनको है निया चेरान नेने राजान नेपार्विया-उरोपस्यसेचा जनोत्रास्त्रोविया हो हर-जीवर वित्रजो उत्ययोधी सी हजार रहिबहुत ग्रजा जरातं इनार बहु व्हातंगीजाकीनी वुकार-उसीच्छा उनकी जाजानाशी-सीहर स्नानायजीनामतेराभया-यहेनासमनकाससरतेपया जुङ् नेनामकीलाजग्वीहरी-मेरेड:खस्भीकाटऐड:ख़हरी-हरीहर द्हैगाविसद्रवलीरामका मेराकूंभरास्तिरेनामका नहीकीई इजानेरीशानका नेहीं हैं जगतबीचकाताही से हरहराहर मेरी गर्नेश्योतिगीपालकी नगापुलकानहीं बृह्मगीपालकी न्श्रामभक्तीदुः नियांसे खुशहालजी नेरेविनभेराकी नहें डः खहरी-हरीहरहरीहरहरीहरिंग की वीर्याय है रहन नी नीर ने न्हें जगतकी चनारकतरन-तू ही है संगतस्य ह बारक एरे

206

राक्ष शीहरहरोहरहरे-मेरियोरव्देर दनभीन्त्री करेबिनती हा बंदों तिजेवे -की ह्रा इं रच इं सुखर्की जवे - तर प्रहासके तमत मानीजिय तृक्कपातहै रथजगत्काहरी हरी हरही हर ९रोइ इरिहर्जी हिर्दे थार नंतर का न्ज्यू सरने क्रयन हार जर हें दृद्गी करिया इसतेपार-मगरथन के मारी जीतिस करहरी-हरीहर हरीहर र तिशनदासकी वीनतीहर सुनी-श्बस्यादियेतनवर्वकेदिवे-ज्ञानंतभ्याअवनुतिकिये जेकार्-अराम्ज्यनेकीऊंचीः प्रसमुनकरी र हरीहर हरीहर हीहरहरी-मेरेकीर बर्दे रस्मनीकी समान पढे प्रत कर्मरजीकी-भीक्लजनम्बसकास्लोही॥ हैही गंडसे बीच जे भगत सी- इंद्र आर्जन नां ते सी भालो ही हरही हरही हरही हर ही भी भाष्युं हर हत नीयारी।।इशिसमाप्ता। लि॰सञ्जाद्याती।।। मुसतप्ताई प्रसल्गं हो रहें छपा

C-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA